

91 लाख से अधिक भारतीय आजीविका के लिए डायरेक्ट सैलिंग पर निर्भर

वैभव न्यूज़ ॥ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में सोमवार को एसोसिएशन ऑफ़ डायरेक्ट सैलिंग एटिटीज ऑफ़ इंडिया (एडीएसईआई) ने अपने रिसर्च पार्टनर कांतार के सहयोग से एक रिपोर्ट जारी की।

रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई कि आज डायरेक्ट सैलिंग उद्यमिता की दृष्टि से भारत के मुख्य प्लेटफॉर्मों में से एक बन चुका है, जो विक्रेताओं को स्थायी आजीविका के साधन उपलब्ध करा रहा है, खास बात यह है कि महिलाएं इस विकास में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 91 लाख भारतीय एक्टिव डायरेक्ट सैलर हैं, जिनमें से 47 फीसदी महिलाएं हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह उद्योग 23,522 करोड़ रुपए का था तथा एक अनुमान के मुताबिक यह 7 फीसदी सीएजीआर की दर से बढ़ते हुए अगले वित्तीय वर्ष तक रु 25,000 करोड़ के आंकड़े को पार कर जाएगा।

आज भारत दुनिया के टॉप 15 डायरेक्ट सैलिंग मार्केट्स में 11वें स्थान पर है।

रिपोर्ट जारी करते हुए एडीएसईआई के प्रेसिडेंट डॉ. संजीव कुमार ने कहा कि यह रिपोर्ट भरोसेमंद मात्रात्मक और गुणात्मक आंकड़ों के साथ इस बात पर रोशनी डालती है कि डायरेक्ट सैलिंग भारत के विकास में कितना बड़ा योगदान दे रही है। 91 लाख से अधिक भारतीय अपनी आजीविका के लिए डायरेक्ट सैलिंग पर ही निर्भर हैं जिनमें से लगभग आधी महिलाएं हैं और यह उद्यमिता की भावना पर आधारित है।

पिछले एक दशक में, यह उद्योग स्व-रोजगार, कौशल और महिलाओं के नेतृत्व को बढ़ावा देने के सरकार के विजन के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है।

आने वाले समय में भी एडीएसईआई नियमों के अनुपालन एवं ग्राहकों का भरोसा बढ़ाने के लिए सरकार के प्रतिबद्ध पार्टनर की भूमिका निभाता रहेगा।